

जैसी वही है अगला पक्ष जारी रखी अगले तैनी गाला पक्ष।
दुःखी रहे है अगली अंकन व्यथा अनुभव है

उ) अंकनना कुहा लास्कुररायना नऊगवर विज्ञाना विचारों शुद्धापीप
अंकनना कुहा लास्कुरराय मास पुस्तकिया विमुक्तानों गहृत्य
नवी आधता तैरजा मानता हुता कु मास थास्त्रायुस्वकी गांधी
नामप्रवाची गरीबाई दूर गंधी वाली. गाँजफुापट्टी थी पाप्य अर्द्ध
कनारा धुका लौकी अंजकारमा बळणता कळ गठाना डीप छ
पौताना विद्युत्कीवृत्ताना थाए करता कुई छ डी दाना शकारान
हंगैसां चईला पांरना सुँवां हुँवां हुँवां गाँड पापीम अचिधकी
गाँकरी तैना गली है. अणों नऊजपामां गळनां, छल्लो अंर
अंसगास शगतात वाँजडना धंदागां फुसक फुसक कुगाईना
जंगला अंधाष्टां छ लास्कुररायना अते प्राणकुन तैनी अणुप्राता
पुष्टति करता कुही अटकापवां ग कोहरम. तैगाथी तैना विकास
इंधारा छ अमागे अंधतावा कुहा लास्कुरराय राध साए
पगरेना नऊकारमा गठाना हुती.

1
पर डबका लक्ष
आप्यु हुतु
सागा अंको
गए जाकुं
अररस्त बाध
आपीने

दिवां हुती वै
ह या ग
सा पक्ष
तो ठाक
पत्तोनी
अंण
माहा
रे गुरु परतु
गया लुआ
थई कु था
मि-धोग
कनी रह
नीटव वा
कु परतु
तैना धररुता
प्रासा

७५ वल्लभभाई पटेलने गांधीजींच्या कामकाजाची वाढी होती. गांधीजींच्या पंतप्रधानपदाचा काळ संपल्यानंतर सविंधा पक्ष हा जग हातात घ्यायला येतो. पक्षाच्या कामकाजात काही वेगळेपण पक्षाच्या कामकाजात आणण्यात आले. गांधीजींच्या कामकाजात आणण्यात आले. गांधीजींच्या कामकाजात आणण्यात आले.

७६ लोखंडे या पक्षाच्या कामकाजात महत्त्वपूर्ण भूमिका बजावली. लोखंडे या पक्षाच्या कामकाजात महत्त्वपूर्ण भूमिका बजावली.

७७ लोखंडे गांधीजींच्या सरकार वल्लभभाई पटेलने यांनी कुवाडूरलास गांधीजींच्या भूमिका बजावली. लोखंडे यांनी गांधीजींच्या सरकार वल्लभभाई पटेलने यांनी कुवाडूरलास गांधीजींच्या भूमिका बजावली.

७८ विनायकाचे सरकार गांधीजींच्या सरकार होते. विनायकाचे सरकार गांधीजींच्या सरकार होते. विनायकाचे सरकार गांधीजींच्या सरकार होते.

७९ विनायकाचे सरकार गांधीजींच्या सरकार होते. विनायकाचे सरकार गांधीजींच्या सरकार होते. विनायकाचे सरकार गांधीजींच्या सरकार होते.

८० विनायकाचे सरकार गांधीजींच्या सरकार होते. विनायकाचे सरकार गांधीजींच्या सरकार होते. विनायकाचे सरकार गांधीजींच्या सरकार होते.

19) गांधीजी का जन्म 2 सितंबर 1869 ई. में पुणे में हुआ था।
20) गांधीजी का जन्म 2 सितंबर 1869 ई. में पुणे में हुआ था।

21) गांधीजी का जन्म 2 सितंबर 1869 ई. में पुणे में हुआ था।
22) गांधीजी का जन्म 2 सितंबर 1869 ई. में पुणे में हुआ था।

23) गांधीजी का जन्म 2 सितंबर 1869 ई. में पुणे में हुआ था।
24) गांधीजी का जन्म 2 सितंबर 1869 ई. में पुणे में हुआ था।

प्रश्न-उत्तर

1) गांधीजी का जन्म 2 सितंबर 1869 ई. में पुणे में हुआ था।
2) गांधीजी का जन्म 2 सितंबर 1869 ई. में पुणे में हुआ था।

3) गांधीजी का जन्म 2 सितंबर 1869 ई. में पुणे में हुआ था।
4) गांधीजी का जन्म 2 सितंबर 1869 ई. में पुणे में हुआ था।

वही तो
मां मुं लख्युं
मां अपंगुमां
DIED

मुद्रा लेखन - मऊ पादवांगों कापाल - मपाव लयां

१) गवा वर्धना संकल्पोंकी लैपके कौनी अपाए सुरप्रमळी करी छै १
 २) गवा वर्धना संकल्पोंकी सुरप्रमळी लैपके वही परीठना जाइल,
 वैशाखी अपाए कुंदाता पंतोठना, शिवाकाकी अपाए अपावना
 वारधना गौठां अपाए कुंदा उस्ताइना संजोठना वससना अकला
 अपावी कजता उधना ठांइ अपावा करी छै

२) गवा वर्धना संकल्पोंमां लैपके मजवीना मजनी कछी गजवाइने
 कुंदातां काजोने हाइललैप संकल्पों छै १

३) गवा वर्धना उस्ताइना अपावी कछीने मजस संकल्प तां करी छै
 छै परंतु अपाए संकल्पों पाणी कइवी नपरी. अपाए अपाए लै
 थंकेने पुकरे अइनाकां अतावी अकलने अपाए पांतावा मजनी
 समझाया करी छै परंतु पांते संकल्प पाणी नपरी अइना अपा
 पातनां सीधों अपीकार नपरी करी अइना. मानपमजनी अपा
 गजवाइने कुंदातां काजोने लैपके अपा हाइललैप संकल्पों छै

४) निमिलरथ कुंदाया अपाएने मुं दगडी अपाए छै १
 ५) निमिलरथ कुंदाया अपाएने दगडी अपाएता कुं छै १ "तां
 तांकां कुरयुं हांय तां तां गौसाव पाहां वास्तां भा. अइने तां
 लफावातुं लफावातुं नौ मजवातुं मुस्ली करी तां मायां पजर
 गहीं मूकुं, अपाकपी अइनुं बंधे छै

६) महुएव लाई हुंसाइयें सरदार माहें मुं लख्युं छै १
 ७) महुएव लाई हुंसाइयें सरदार माहें लख्युं छै १. "तां हुंतांकी लायां
 आलता अपरदारनी अपांजांमां अपांजारा कछी कसक हुंतांकी अपां
 पिरांहीअोंनां विनाशा करी मायां लैवी अपांअेनुं अपरतं तांकी
 पाकगीमां वातुं ॥

८) पालमलाई परलैने गजवाइनां काजवाइयाई पाई हुनी लै कछी बीवें हुं
 वाइ १

पाव्यां १
 कुरवा गौपे
 छही सुती

पहाडी
 गजी
 तैनीं गाणु
 वाथ छ

इतुं
 नैया

23) सांगलनो गोरी बहिनो सो प्रभा कयो १
५) सांगलनो गोरी बहिनो प्रभन कयो ५ "रुत रोग क वही गो
रु थाय १"

24) तारमास्तर गुंमर्धना रसव कमलधारो करेला तारमा रुं वरु
हुत १

५) तारमास्तर गुंमर्धना रसव कमलधारो करेला तारमा रुं वरु
लपु हुत ५ - "ONE HUSBAND OF BUFFALO DIED
UNDERENGINE"

25) गोविंद छोरी सुली गयो हुं खे प्रयास तेनो क्यारो खावो १
५) क्यारो वरुसाद प्रध प्रडी गयो क्यारो तेनो प्रध कुरवा गोविंद
हाथ लावा कयो तारो तेनो प्रयास खावो ५ पाते छोरी सुली
गयो ५

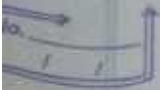
26) खंगेक खानी दुकानवाजा पहाडी पास रुं माखु हुत १ पहाडी
दुकानहार सा गारो गुरसे यवो १

५) खंगेक खानी दुकानवाजा पहाडी पास "दु कयटी" माणी
पहाडी दुकानहार खंगेकरो के खंगेक लु कयटी क्यो तेनो गाय
खापी ह्याभाक क्यो खावीते खंगेक पर गुरसे वाथ ५

27) दुवानोरु कोणा पर रीगडी कुरवानु विचारु हुत १
५) दुवानोरु दरखोकाका पर रीगडी कुरवानु विचारु हुत

28) कृष्णकुमार सिंङ्गु गौ स्वलापु कुवो हुतो १

५) कृष्णकुमार सिंङ्गुना ववलाप नखकपट, गिलेप हुतो. तेसा
प्रभावत्सल केनो त्यागभावना छरापता राखी हुता.



घाटना बाइला

आवाजी हों
आंधरपी काँगडा
आवाजी हों

हों
गाटपी आसफा-

त निरीसुजा

हियाहनी हिसुज
समतुल्य अपन
हैवी हों

दुंगाली
गपपी-स्यारुं
हो शोतिया

नी हिकरी

हं-जिसाडीनी

16) सांठ बांहाण कुई रीतें ताडी बूई हों
अ) बांहाणी पुराणीन आवाजता कमीकराणी बांहाण बांहाणों हों
तम सांठ पडता पडता बांहाण ताडी बूई हों

17) सांठ नाथुवा पाडगा डीनां गडिमा गवदा हों
अ) सांठ नाथुवा पाडगा बांहा गामनी दुसरीनी पीरपनी वात हों
अ) सांठ नाथुवा पाडगा बांहा गामनी दुसरीनी पीरपनी वात हों

18) अमनवाणों काँचल बा गाटे जगें हों
अ) वसंतप्रदुतु व्यापना काँचल बाँल हों, बांहाण बांहाण कुरीरुवां
हों बाँहाण कुरीरुवां कुरीरुवां बाँहाण बाँहाण बाँहाण बाँहाण
हो बाँहाण कुरीरुवां कुरीरुवां कुरीरुवां कुरीरुवां कुरीरुवां
हो बाँहाण कुरीरुवां कुरीरुवां कुरीरुवां कुरीरुवां कुरीरुवां

19) गाटगाबा मां शिसुजा मंगपवाची बाँहाण बाँहाण बाँहाण
अ) शिसुजा मंगपवाची मंगपवाची व्यापणी कल्पनाशक्ति अमन
वसंतप्रदुतु वधु जीवी हों

20) वसंतप्रदुतुमां कुरीरुवां पसुीरुवां बाँहाण कुरीरुवां
अ) वसंतप्रदुतुमां काँचल, डंसारा, कसकलियां, चास, शोबीगी पंगरी
पसुीरुवां बाँहाण कुरीरुवां

21) अमनवाणों कुरीरुवां अमन, बाँहाण बाँहाण कुरीरुवां कुरीरुवां
अ) अमनवाणों कुरीरुवां अमन, बाँहाण बाँहाण कुरीरुवां कुरीरुवां
बाँहाण बाँहाण कुरीरुवां कुरीरुवां कुरीरुवां कुरीरुवां

22) गाडावाणों धारण कापीणें डुवाएँ धर तरु वण्टी
अ) आवाजी हिसुज वांस कुरीरुवां गाडामां धर, कुरीरुवां आवाजी
बाँहाण गाडावाणों धर तरु वण्टी

9) गांधीजीनी दृष्टिकोण व्यापक रूपका संकेत है
10) गांधीजीनी दृष्टिकोण पंचसंगी गहनता करी परसंगी पाडा अंतरी
11) एक रूपका क साधु रूपका है

12) पल्लवनाथना स्थापना कानी उचिता व्यापकतां व्यापी है
13) पल्लवनाथना स्थापना अकारवी उच्चर पडा व्यापकी कानी
14) कानी गद्यु व्यापका गणितोनी उचिता व्यापकतां व्यापी है

15) कामोद्देशना अंगली कानी इती कानी कानी है
16) कामोद्देशना अंगली दारुणाकानी अंधारली इती व्या
17) व्यासनानी 'व्यासोद्देश' कानी दियाना उचितातपी कानी
18) पुरीना द्याद व्यापक तपी इती

19) माफास पर साकत व्यापी पडे त्वारे कही जाअत निरीकुजा
करवा कपी है

20) माफास पर साकत व्यापी पडे त्वारे त्वां पाहियाहीनी हिमाज
शापुपी पडे है कानी संगी त्वां कल्पनातपी कानी
21) व्यापक केली है त्वां जाअत निरीकुजा करवा कपी है

22) उत्पलावली व्युत्पनी श्री व्याख्या व्यापे है
23) उत्पलावली व्युत्पनी व्याख्या व्यापता कही है कानी 'अंगली
24) व्युत्पनी गौरीवाडी क माफासनी व्युत्प व्यापे कानी गयी-व्यापे
25) व्युत्पनी तौ प्रति-पुत्री व्याख्या पाक्या कानी अ ही कानी
26) वार्ता करी कानी त्वां है

27) व्यापलानु पकडवानु अडि कानी अडि कानी
28) व्यापलानु पकडवानु अडि कानी अडि कानी
29) व्यापलानु पकडवानु अडि कानी अडि कानी

30) गामसाकनी व्यापक कही कानी कही है
31) गामसाकनी व्यापक कानी कानी कानी कानी
32) गामसाकनी व्यापक कानी कानी कानी कानी

प्रश्न वि. अंक - अंक वाक्यांश सवास - ज्ञान लक्षा

1) गांधीजींनी जहाजी या शब्द कुरनार ना संकल्पानुं कुं फुलुं ?
अ) गांधीजींनी जहाजी या शब्द कुरनार ना या न पिलाणा संकल्प
स्वर्ण सिधावता अमन गीनी इरी युक्किना यतां न गीनी

2) अंतर्गत चक्राणुं समारकना कथा सुधी यावुं ?
अ) अंतर्गत चक्राणुं समारकना क्रांतीची शक्तिमा सुधी यावुं

3) अंतर्गत गंध आक कुरवा अंजन अंता विधानं कुरे छे ?
अ) अंतर्गत गंध आक कुरवा अंजन अंतर्गत विधानं कुरे छे

4) अंजनना हाच अंता कपडा वाववी गंधा यथा हता ?
अ) वाहली झाडणा अंतिवां अंतर्गत पंपर विपर अंता वाववा कतां
अंजनना हाच अंता कपडा गंधा यथा गंधा यथा छे

5) अंजन तेजसना आतां गांधी नेना पितानं कुं कुं परतुना सौच छे ?
अ) अंजन तेजसना आतां गांधी पंडु, अजिवा, लमारी अंता अंता
काठीनी पितानं सौच छे

6) अंजन गांधी गाटे कुं सौचता गजुं छे ?
अ) अंजन गांधी गाटे पिताना नसीबने सौचता गजुं छे

7) वल्लभभाई उर्याशिमुका कथा गंधेयुं इतुं ?
अ) वल्लभभाई उर्याशिमुका गंधिवाह अंता वल्लभभाई गंधेयुं इतुं

8) कुंनी वाफागां कुरसां अंता सस्यानीं अंता इतुं ?
अ) अंता वल्लभभाई पंतनी वाफागां कुरसां अंता सस्यानीं
अंता इतुं

પંચાળી છે દોઠાં વ્યાખ્યાની નિર્ણયે વેચી વદી હોતેથી
 ચાંદાની ચોડાંધણી લય પણ દૂર વધે ગઈ. અંતરુલે
 ચાંદાંચે તેની અર્ધ-પગે હાથ ફેરવતા ફેરવતા વાદ્ય
 પગ ઊંચા કરી વારાફરતી કહકહાં વેચી દીધાં.

૫૫. 'બદેનમી પત્ર' પાઠમાં લેખકે કઈ પ્રજા વસ્તુને અર્પણ
 કરી છે ? શા માટે ?

જ્ય 'બદેનમી પત્ર' પાઠમાં લેખકે 'મા', 'માતૃભાષા', અને
 'દેવતીમાતા' ને અર્પણ કર્યાં છે. તેમનું સ્થાન આ
 વિદ્યામાં કોઈપણ સદી ન વાકે મા જન્મ આપે છે.
 પાળીપીંચી ને મોટા કરે છે. માતૃભાષા જન્મતાં જ મળે છે
 અને વ્યાપણા પોહીના લયમાં પ્રગટે છે. વ્યાપણને
 વ્યાગળ સદી અર્ધ છે. દેવતીમાતા અને જ પુકવી, પૂઠી
 વનવાશુ વાકી વ્યાપણું મુખ પોષે છે અને પ્રકૃતિ
 વેનાવે છે. માટે લેખકે આ પ્રજાને અર્પણ કર્યાં છે.

૫૬. જયદેવકાકાએ અનન્યા ને માતૃભાષા વિશે શું કહ્યું ?

જયદેવકાકાએ અનન્યા ને માતૃભાષા વિશે કહ્યું કે -
 ૧. વ્યાપણને વિચારી માતૃભાષામાં જ આવી છે. ૨. વ્યાપણ
 ને શમણું પણ માતૃભાષામાં જ આવી છે. ૩. માતૃભાષા
 હૈયે છે ને તરત હીકે આવી છે. ૪. વ્યાપણે કોઈપણ
 ભાષામાં વાંચીએ કે સાંભળીએ કે સમજીએ પણ
 યાદ ની માતૃભાષામાં જ ~~અર્પણ~~ આપીએ છીએ. ૫. હાથ
 ઉલ્ટાં પણ વધુ હાથવગી માતૃભાષા છે.

૫૭. શાની દુકાનવાળા પહાડીએ ગુસ્સે વાદીને અંગ્રોજને
 શું કહ્યું ?

અંગ્રોજે શાની દુકાનવાળા પહાડી પાસે 'ડુ કપટી' માગી
 ત્યાં પહાડી એમ સમજે છે કે અંગ્રોજે તેને પુ કપટી

કમિ કહી હો, દગાબાજ કર્યો. બપોવી પછી ગુસ્સી પાઈની
 સ્વર્ગીજ ની કહી હો "હું પપરી નથી. તું કપરી, તારો બાપ
 કપરી, તારી બાઈ કપરી, તારા યાદા (કાકા) કપરી,
 તારી બેટી કપરી હો હું કપરી નથી. હવે તો ત્યારતદેવો
 ક્યાકાદ વાઈ ગયો હો. રવે તારા જીવા કપરી સ્વર્ગીજ
 તું કાંઈ ચાલવાનું નથી.

પ્ર. ૫. 'ભક્તી કૂતરા કરડી નથી' આ કહેવત દ્વારા લેખકે કઈ
 સ્મૃતિ ઉત્પન્ન કરી હો?

જ્યે એ દોસ્ત વસ્તી પરથી પચાર ચતા છતાં. ત્યારે સૌક
 દોસ્તની પાછળ કૂતરી ભક્તી-ભક્તી દોષી. આ મેદો
 તેનો મિત્ર કહે હો 'ભક્તી કૂતરા કરડી નથી' ત્યારે
 પેલા ગાયશયેલી મિત્ર કહે હો કે 'આ કહેવતની મને
 તો ખબર હો પણ આ કૂતરાની ખબર ન હોય
 ને!'

પ્રશ્ન-૨ (બ) પ્રશ્નોના સવિક્ષાર લખો:-

પ્ર. ૫. વૈસતાવર્ષ લેખકે ક્યા ક્યા સંકલ્પ કરી હો?

જ્યે વૈસતા વર્ષ લેખકે આ મુખ્ય સંકલ્પો કરી હો. ૧. આખું
 વર્ષ વહેલા ઊઠવું. ૨. નિયમિત નોંધપોથી રાખવી. ૩. આજ
 પછી કસરત ન કરી હોય તે દિવસે જમવું નથી. ૪. કદી
 આ ન પીવી. ૫. હંમેશા દોઢ કલાક કાંતવું. ૬. મજા હલાક
 વાંચવું, વાંચવું ની વાંચવું. ૭. રોજ ગીતાનો અપેક્ષ-અપેક્ષ
 સ્પીક વાંચવી. ૮. પાઈ-પાઈની લાવશિવ હિસાબ રાખવી.

પ્ર. ૨. આત્માસ્વધારણા નું મોજું કિવું હો? તે ઉદાહરણ સહિત સમજાવી.
 જ્યે આત્માસ્વધારણા નું મોજું પરોક્ષના અકાળની જીવું હો. જે
 વી પણ સંતોષ આપી બિડી મેચ હો. આ વાત માટે

માહાસોની સ્વરસ્વર વધતી ગઈ હતી.

૪. યુમોહિની સ્વપ્ના શા માટે લીલા પાઈ ગઈ ?
જ્યે દુર્ભાગ્યને યુમોહિનને મળી છે ત્યારે તેમની સાથે વાતી કરતા યુમોહિન કહે છે કે - 'નાની બહેન મૃતિને સ્ખેરિકા મકિલો ઉચ્ચતમ શિક્ષણ અપાવી ડોક્ટર બનાવવાની મારી દરિયા હતી. પણ હવે એ સ્થિતિ નથી વધી. મને યાદ છે કે હું મોટી છું અંતે મને એ સગવડ મળી ગઈ, હવે આ બદલાયેલી સ્થિતિમાં સહન તો નાની બહેન મૃતિને કર્યું પડ્યું ને / સામાન્ય રીતે સહન તો મોટાથી કરવાનું હોય. એ મારાંની નાની પણ... આત્મુ બાલતા યુમોહિનની સ્વપ્ના લીલા પાઈ અંધ છે.

૫. વ્યથાની શુભ શા માટે પડીકે બંધાયેલી હતી ?
જ્યે બાંહેને નાથલા ભેરભેરે તારિલ પુગલાં ઉપાડતી ચંદાના પગ સ્પેક્ટમ ચાંચી જતા ત્યાં હોયેલા લોકોના રોજામાં ગણગણાટ શબ્દો મોંડે છે. કોઈ કહે છે કે - 'આખરે બી ગઈ !' બીમ એ કહેવું કે 'એ તો મોંચે બીલે અંતેલું જ. બધા હતા અંતેલું ગુમાનમાં ને ગુમાનમાં ત્યાં સુધા ગઈ !' હીમચી કહેવું - 'આખલાની વિકલાલ સ્ખાંચો મેઈ ત્વલત્વલાના સ્ખે ગગડી મય તો આનું વડું ગાનું ?' આ ગણગણાટ સાંભળીને વ્યથાની પુત્રી ચંદાની સ્થિતિ યાદ છે અને તેની શુભ પડીકે બંધાયેલી છે.

૬. આખલાના પગે ચંદાએ કઈ રીતે ડહકમી લેવાયેલી હોઈ ?
જ્યે ચંદા આખલાની સ્પેક્ટમનમુક અંધ છે તે અંધે જ નિરાંતે બેસી રહી છે. ત્યારે પ્રાક્ટ સ્ખાંચી ચંદા તેને વધી કરી તેની યાસ માલિકની જેમ બેસે છે અને તેની

19. માતૃભાષા માં શિક્ષણ મેળવવાથી શી ફાયદા વાદ છે ?
 બ) માતૃભાષા માં શિક્ષણ મેળવવાથી શ્યામજી કલ્પનાશક્તિ
 અને તર્કશક્તિ વધુ બીજા બંને છે

20. ઈસ્લાહાહા ના દેહકો બેભાક્ષા મનંદાઓએ શું કર્યું ?
 બ) ઈસ્લાહાહાનો દેહકો બેભાક્ષા માટે મનંદાઓએ પોને
 અપેક્ષિત ગોઠા અને એ સિવાય અપેક્ષિત અને પાંગો
 મૂક્યા બધાં ગોઠાં વીજીચૂજીને ઈસ્લાહાહા ને અપેક્ષા
 દીધા.

21. ગાંધીજી ની મળવા આપેલા અતિથિતું વર્ણન કરો.
 બ) ગાંધીજી ની મળવા આપેલા અતિથિ ભાવનગરના રામ કૃષ્ણ
 કુમાર સિંદેજી હતા. તેમણે બંધ ગળાની લાંબી કાટિ, સુરવાળ અને
 ફરની કાળા રોપી પહેરી હતી.

પ્રશ્ન-2 (F) ધણી-ચાર વાક્યમાં જવાબ લખો.

1. અંજનની અભ્યાસખંડ કોવી છે ?
 બ) અંજનની અભ્યાસખંડ મેવા જોવી છે. ખુરશીમાં, મજન
 ઉપર મેડા સાથે જ્યાં-ત્યાં ચોપડીઓ અને નીરબુકી
 ફીરવિખેરે વડ્યા છે તેવલ ઉપર માંમ છે. મેલાં અને
 દ્યુવેલા કપડાં પણ એક જ દગલામાં દેખાય છે. એક-
 વ કિત્તા, બે-તણ પેન્સલ, અલ્પ વગેરે છૂટાછવાયા
 અપડે છે. આમ અંજનના અભ્યાસખંડમાં બધું જ
 અસ્તવ્યસ્ત પડ્યું છે.

2. અંજન છુ વાતથી દેશન વાઈ મય છે ?
 બ) અંજન રંગીના મિશ્રણની મુદ્રિયા વાદ રાખવા પ્રયાસ કરે
 છે. પણ તેની વાદ નથી વહેતું. એકે વસ્તુ વાદ રાખે ત્યાં

- (16) સામા માણસનું મોં દેખી શકાય એવી સવારની સમય
- (17) પરકંથ્યાના હસ્તમેળાપની વિધિ
- (18) પરણવા જતા વરની સવારી

પ્રશ્ન-3 (H) રૂઢિપ્રયોગનો અર્થ આપી વાક્યપ્રયોગ કરો :

- (1) આંખમાં ચમક આવવી: નવોન ઉત્સાહ
- (2) ધૂન વળગવી: મનમાં તરંગ ઉઠવા, લગ્ન કરવી
- (3) મિજાજ છટકવો: ગુસ્સા પર નિયંત્રણ ન રહવું
- (4) માંત કરવું-દરોપણું, પરણિત કરવું
- (5) મોંમાં મગ ભરવા-મોંન રહવું, ચૂપ રહવું
- (6) ચહેરો ઉતરી જવો-ચહેરો ફિક્કો થઈ જવો
- (7) આનંદ મરી જવો-પક્ષ લેવી, તરફદારી ઉઠવી
- (8) આત્મસાત્ થઈ જવું-એકરૂપ થઈ જવું
- (9) તાજ મૂકાવવા-ક્ષતી છોડાવવી
- (10) કટકો પડવો-ત્યારે ગુસ્સાન થવું
- (11) સોનાનાં પારણામાં ચૂલવું-વૈલવ કે શ્રીમંતાઈમાં જ રહવું
- (12) અવાજ ભીનો થઈ જવો-ગાળગાળા થઈ જવું
- (13) બેથ હાથે આરતી ઉતારવી-મહેરબાન ઉઠવી
- (14) જીવ પડીકે બંધાવો-ખુબ જ ચિંતા થવી, ચિંતાથી વ્યાકુળ થવું
- (15) ટેકો આપવો-આમર્થન ઉઠવું, આથ આપવો
- (16) એકના બે ન થવું-પોતાની વાતમાં મક્કમ રહવું
- (17) હૈથે તેવું હોઠે-આફ મનમાં હોવું
- (18) ગળથૂથીમાં મળવું-જન્મતાંની આથે મળવું
- (19) પેટનું પાણી ન હલવું-કોઈપણ પ્રકારની અસર ન થવી
- (20) પેટમાં પેસી નીકળવું-અવ્યથા છૂપા કે ગુપ્ત વાત મુક્તિ લેવી

- (1) માં તે મા બીજા વગેરે
- (2) ભરતાં ફૂટારાં કરડે નહીં
- (3) વિપતિ જ્યારે આવે છે ત્યારે
- (4) તરસ લાગે ત્યારે ફૂવો ખો
- (5) અમદાવાદી તો કોઈને મા

- પ્ર-4 (A) નીચે આપેલી**
- (13) દુ:ખીના દુ:ખની વાતો
 - (14) સુખી જો સમજી શકે તે
 - (14) ભગે કમળ પંકમાં તદ્દિ
 - (15) નહીં કુળથી કિંતુ મૂલ્ય
 - (15) ઈશ્વર અલ્લાહ ચાહે ગુ
 - (17) માલિક સબકા એક હૈ

- પ્ર-4 (B) નીચેના વિ**
- (1) મારા પ્રિય
 - (2) મા તે મા
 - (3) શિયાળાની
 - (4) ઋતુરાજ
 - (5) એક સૈનિક

- પ્ર-4 (C) નીચે**
- (1) 'સંપ ત્યાં જંપ' શ

प्रयोगो :
 धर्म - पैसे लेवुं, छूट करानो दम भेववो - चक्रतनो शास लेवो,
 (ज) वधारवी, मात ववुं - पचास्त ववुं, छादी जवुं, भसियाणां पडी

हेवतो :
 ...भावे कंजूस होय छे. पोतानो लाभ न होय तेवुं ओकपण
 ... नस्यार वाक्योभां
 ... जवाभां उम

प्रश्न-3 (H) नीचे आपेली कहेवतनो अर्थ लपो :

- (1) मा ते मा जीजा वगडाना वा ^{वपी जोगीना गानी नारबाभाजो} (20/80)
 - (2) लसतां इतरां करके नहीं- ^{वपी जोगीना गानी नारबाभाजो} (22/82)
 - (3) विपत्ति ज्यारे आवे छे त्यारे अेकली नहीं आवती साथे लावलकर प्रेला लावे ^{वपी जोगीना गानी नारबाभाजो} (17/52)
 - (4) तरस लागे त्यारे इवो जाहवो- ^{वपी जोगीना गानी नारबाभाजो} (पू-1/97)
 - (5) अमहावाही तो कोर्धने भागी राणी परा न आपे ^{वपी जोगीना गानी नारबाभाजो} (पू-5/109)
- अमहावाही स्वत्याप कंजूस होय छे पोतानो लाभ न होय तेवुं ओकपण (लेखन) विभाग-D

प्रश्न-4 (A) नीचे आपेली पंक्तिओनो विचारविस्तार करो : (4)

- (1) दुःखीना दुःखनी वातो सुखी ना समजु शके,
 सुखी जो समजु शके तो दुःख विश्वमां न टके.
- (2) ठीगे कमल पंजमां तदपि देव शिरे चके,
 नहीं कुणथी किंतु मूल्य मूलवाय गुणोथी
- (3) ईश्वर अल्लाह चाहे गुरु चाहे कहो श्रीराम,
 ... अलग-अलग है नाम

(Page No. 113 थी..)

(Page No. ...)

(Page ...)